IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882
INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों के प्रति षिक्षक प्रषिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन

निर्देषक
डॉ वेदप्रकाष शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर
महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी

शोधार्थी
मोनिका भारद्वाज
शोधार्थी
महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी

- **सम्प्रत्यात्मक पृष्ठभूमि**

अभिप्रेरणा एक बल है जो प्राणी को कोई निष्चित व्यवहार या निष्चित दिषा में चलने के लिए बाध्य करती है। किसी कार्य की प्रक्रिया अभिप्रेरणा द्वारा ही आगे बढ़ती है। प्रेरणा द्वारा ही षिक्षक के कार्य करने में रूचि उत्पन्न की जा सकती है और वह संघर्षषील बनता है। षिक्षक के लिए सीखने का प्रमुख आधार प्रेरणा ही है। सीखने की क्रिया में ''परिणाम का नियम'' एक प्रेरक का कार्य करता है। जिस कार्य को करने से सुख मिलता है उसे वह पुनः करता है एवं दुःख होने पर छोड देता है यही परिणाम का नियम है। अतः षिक्षक के उचित कार्य करने पर उसकी प्रषंसा करना भी प्रेरणा का संचार करता है। मनुष्य को अभिप्रेरित करने के लिए अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन प्रविधियों का अधिक से अधिक प्रयोग करके व्यक्ति को अभिप्रेरित किया जा सकता है। जिससे वह क्रियाषील बना रहता है। षिक्षक प्रषिक्षण संस्थानों द्वारा भी इन्ही अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का प्रयोग करके षिक्षक प्रषिक्षकों को अभिप्रेरित रखा जा सकता है क्योंकि समय–समय पर षिक्षक प्रषिक्षकों को वित्तीय, अकादमिक तथा मनोवैज्ञानिक प्रविधियों द्वारा अभिप्रेरित करने से न केवल षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालयों में शैक्षिक व सहषैक्षिक गतिविधिया नियमित तरीके से चलती है साथ ही षिक्षक प्रषिक्षकों की गुणवत्ता में भी अभिवृद्धि होती है। अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ व्यक्ति के व्यवहार,

क्रियाकलाप इत्यादि में वही भूमिका निर्वहन करती है जो किसी भी रासायनिक अभिक्रिया में उत्प्रेरक करता है अतः अभिप्रेरित ऊर्जावान व्यक्ति लक्ष्य प्राप्ति हेतु सामान्य व्यक्ति की अपेक्षा अलग व अग्रेसित करने वाला मार्ग का चयन करता है।

शोधकर्त्री ने अपने लघुषोध अध्ययन में ''अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों'' पर आधारित सन्दर्भ साहित्य का अध्ययन किया। जिनमें नसीरउद्दीन मोहम्मद (2008) द्वारा ''मोटिवेषन टेकनिक्स यूज्ड बाय हेड्स ऑफ इन्सटिट्यूषन ऑफ हायर एजूकेषन एण्ड इम्पेक्ट आन द परफोरमेंस ऑफ टीचर्स'' में अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का षिक्षक प्रषिक्षकों पर प्रभाव का अध्ययन किया गया। इसके अन्तर्गत पाया गया कि अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ षिक्षक तथा उनकी कार्यषैली पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। इसके अलावा कई अध्ययन जो साहित्य के आधार पर शोध में रखे गये वे सभी अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों पर आधारित है। जिनमें षिक्षकों के व्यक्तित्व, कार्यषैली, व्यवहार आदि पर अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ सार्थक प्रभाव डालती है।

- **अध्ययन के उद्देष्य –प्रस्तुत लघु शोध के निम्नलिखित उद्देष्य निर्धारित किये गऐ है–**

- षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों के प्रति षिक्षक प्रषिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।
- षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त सकारात्मक अभिप्रेरणात्मक प्रविधि के प्रति षिक्षक–प्रषिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।
- षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त नकारात्मक अभिप्रेरणात्मक प्रविधि के प्रति षिक्षक–प्रषिक्षकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।
- षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों द्वारा प्राप्त षिक्षक–प्रषिक्षकों की उपलब्धियों का अध्ययन करना।
- षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों के प्रति षिक्षक–प्रषिक्षकों की कार्यषैली का अध्ययन करना।

- षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों के प्रति षिक्षक प्रषिक्षकों के व्यक्तित्व का अध्ययन करना।

- **परिकल्पनाएँ – प्रस्तुत लघु शोध के निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्धारित की गई है –**

- षिक्षक–प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का षिक्षक प्रषिक्षकों पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
- षिक्षक–प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त सकारात्मक प्रविधि का षिक्षक प्रषिक्षकों पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
- षिक्षक–प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त नकारातमक प्रविधियों का षिक्षक प्रषिक्षकों पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
- षिक्षक–प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त सकारात्मक वित्तीय अभिप्रेरणात्मक प्रविधि का षिक्षक–प्रषिक्षकों के उपलब्धि स्तर पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
- षिक्षक–प्रषिक्षण महाविद्यायल प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधि के प्रति षिक्षक प्रषिक्षकों की कार्यषैली पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
- षिक्षक–प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधि का षिक्षक–प्रषिक्षकों के व्यक्तित्व पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

- **अनुसंधान विधि**

प्रस्तुत शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है क्योंकि हमारा अध्ययन गुणात्मक व परिमाणात्मक था।

- **जनसंख्या**

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा राजस्थान के जयपुर शहर के षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय के षिक्षक प्रषिक्षक शोध कार्य की जनसंख्या के निर्माण के स्त्रोंत है।

- **प्रस्तुत अध्ययन का न्यादर्ष**

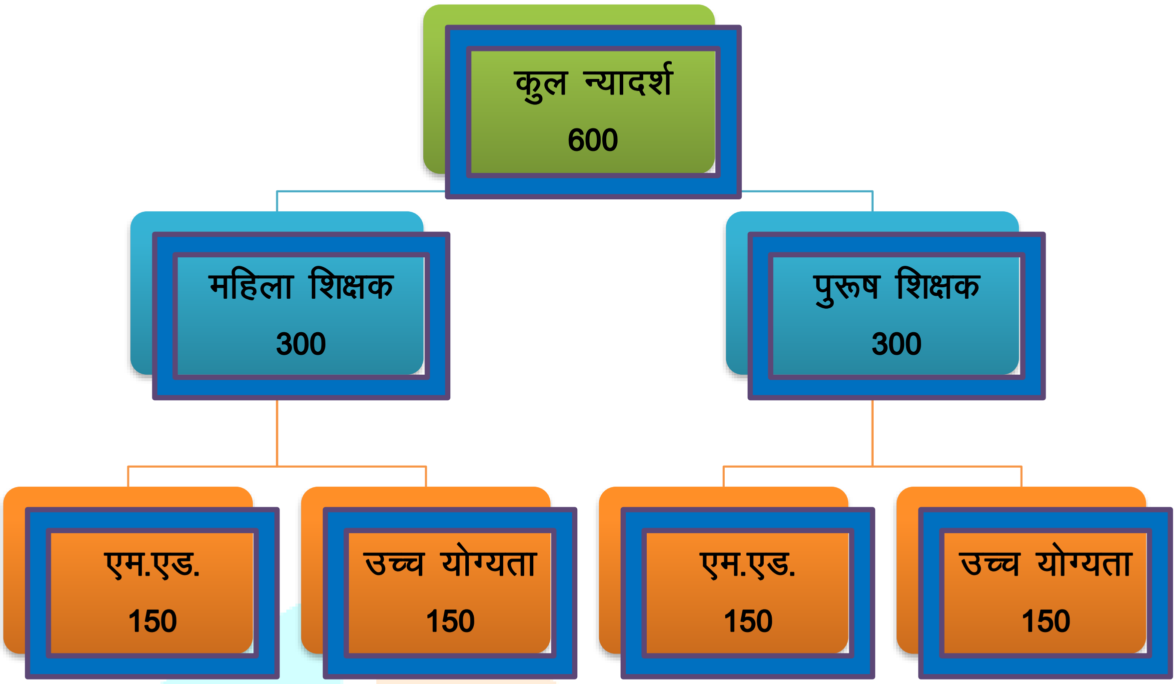

- **शोध में प्रयुक्त उपकरण**

प्रस्तुत शोध कार्य में स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है। इसके अन्तर्गत प्राचार्य प्रष्न पत्र जिसमें विभिन्न आयामों – शैक्षिक प्रबन्धन, व्यक्तिगत कार्यषैली, व्यावसायिक कार्यषैली का अध्ययन किया गया तथा अध्यापक प्रष्न पत्र के अन्तर्गत वित्तीय अभिप्रेरणात्मक प्रविधि, अकादमिक अभिप्रेरणात्मक प्रविधि तथा मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरणात्मक प्रविधि आदि पक्षो को सम्मिलित किया गया है।

यह उपकरण षिक्षक प्रषिक्षक महाविद्यालय में कार्यरत षिक्षक प्रषिक्षकों के अभिप्रेरणात्मक स्तर को ध्यान में रखकर निर्मित किया गया। इस उपकरण में सर्वप्रथम प्राचार्यों व षिक्षक प्रषिक्षकों को आवष्यक सुचनाओं को भरना होता है इसके पष्चात दिये गये निर्देषों को ध्यान पूर्वक पढकर दिये गये कथनों के उत्तर देने होते है।

- **प्रदत संचयन एवं विष्लेषण**

प्रदत्तों के संचयन के लिए जयपुर शहर के षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालयों के प्राचार्यों व षिक्षक प्रषिक्षकों से स्वनिर्मित प्रष्नावली भरवाई गई तथा उससे प्राप्त प्राप्तांको की गणना हेतु सांख्यिकी रूप में प्रतिषत का प्रयोग किया गया है।

• शोध अध्ययन के परिणाम

''षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का षिक्षक–प्रषिक्षकों पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।''

अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ	कुल (:)
वित्तीय अभिप्रेरणात्मक प्रविधि	41.5
अकादमिक अभिप्रेरणात्मक प्रविधि	26
मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरणात्मक प्रविधि	32.5

समूह	कथन	सहमत	अनिश्चित	असहमत	कुल
प्राचार्य	30	83	11	6	100
शिक्षक	30	86	9	5	100

व्याख्या एवं विष्लेषण

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि षिक्षक प्रषिक्षकों में अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का स्तर उच्च पाया गया इसके अन्तर्गत वित्तीय अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का स्तर 41.5 प्रतिषत, अकादमिक अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का स्तर 26 प्रतिषत एवं मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का स्तर 32.5 प्रतिषत है। तथा प्राचार्या व षिक्षकों द्वारा प्रष्न पत्र के सभी कथनों पर क्रमषः 83 प्रतिषत व 86 प्रतिषत सर्वाधिक सहमति प्रस्तुत की है। अतः षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों का षिक्षक प्रषिक्षकों पर सार्थक प्रभाव पडता है

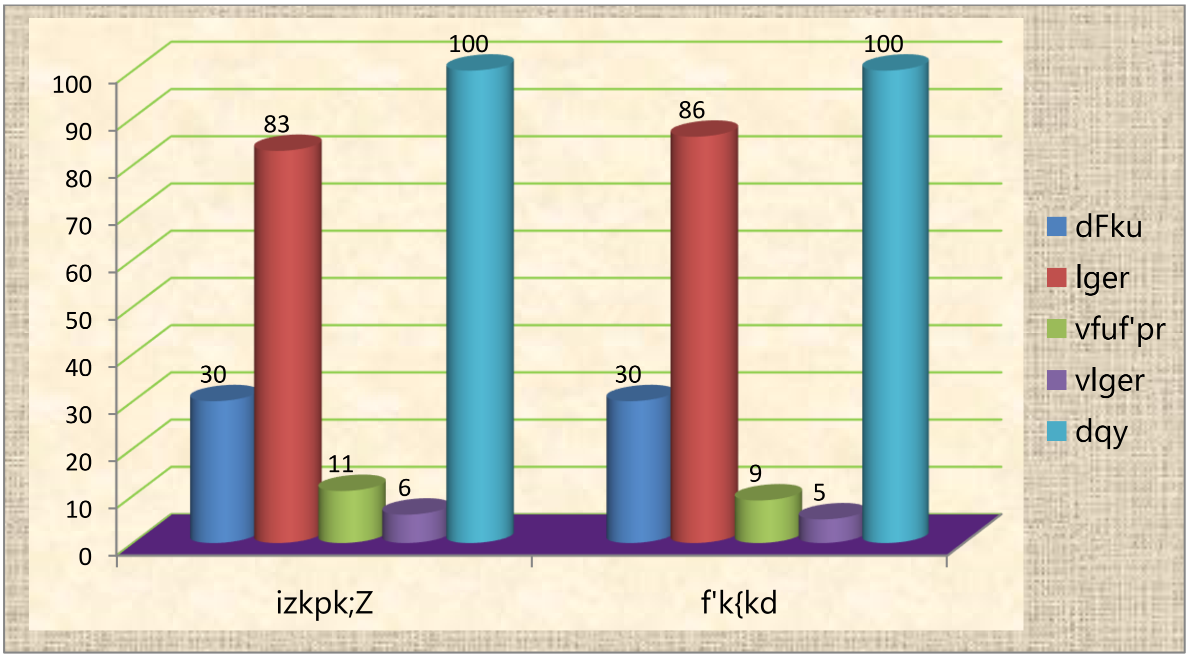

इस परिकल्पना के आधार पर यह स्पष्ट है कि षिक्षक प्रषिक्षकों को अभिप्रेरित करने में अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रहती है इनके प्रयोग द्वारा व्यक्ति अधिक कार्यषील बना रहता है क्योंकि अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ प्राणी की वे शारीरिक व मनोवैज्ञानिक आभ्यन्तरिक दषाएँ है जो उसे विषेष प्रकार की क्रिया करने के लिए प्रेरित करती है तथा अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ षिक्षक प्रषिक्षकों के भावी व्यवहार पर अनुकूल प्रभाव डालती है।

- **शैक्षिक निहितार्थ**

- यदि षिक्षक कार्यषील, अभिप्रेरित, ऊर्जावान तथा कुषल होगा तो वह छात्रों के सर्वागीण विकास में सहायक होता है। छात्र ही भविष्य के कर्णधार है अतः छात्रों की दृष्टि से प्रस्तुत शोध की बहुत अधिक उपयोगिता है।
- एक कुषल, उत्तरदायित्व पूर्ण, अभिप्रेरित, ऊर्जावान षिक्षक, शैक्षिक प्रषासन को सुव्यवस्थित बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान देता है सीमित संसाधन होते हुए भी शैक्षिक प्रषासन को सुव्यवस्थित, अनुषासित रखा जा सकता है।

- इस शोध के अध्ययन से षिक्षक प्रषिक्षकों को अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों के प्रयोग द्वारा भावी षिक्षकों के निर्माण में अधिक सहायक रखा जा सकता है तथा अध्यापक षिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कार्य कर सकते है।
- यदि षिक्षक ही अभिप्रेरित तथा ऊर्जावान होगें तो उनके छात्रों में भी अधिक ऊर्जा का संचालन होगा।
- योग्य एंव ऊर्जावान अभिप्रेरित षिक्षक ही एक स्वस्थ एवं विकसित समाज का निर्माण करने में सहायक है । भावी षिक्षकों के लिए सच्चरित्र, अभिप्रेरित एवं षिक्षण अभिक्षमता से युक्त होना आवष्यक है वही उज्जवल राष्ट्र के निर्माता है।

निष्कर्ष

शोधकर्त्री ने अध्ययन के उद्देष्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि षिक्षक प्रषिक्षकों को अभिप्रेरित करने के लिए अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनके प्रयोग द्वारा षिक्षक अधिक कार्यषील बने रहते है उनके आत्मविष्वास व मनोबल में वृद्धि होती है तथा जीवन दर्षन सकारात्मक बनता है। अभिप्रेरणात्मक प्रविधियाँ व्यक्ति के व्यवहार, क्रियाकलाप इत्यादि में वही भूमिका निर्वहन करती है जो किसी भी रासायनिक अभिक्रिया में उत्प्रेरक करता है इस अध्ययन के आधार पर शोधकर्त्री द्वारा बनाई गई स्वनिर्मित प्रष्नावली से उपलब्ध ऑकडों के विष्लेषण एवं संग्रह द्वारा षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा षिक्षक प्रषिक्षकों के प्रति प्रयुक्त अभिप्रेरणात्मक प्रविधियों के स्तर को बताया गया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- गुड बार एण्ड स्केट्स (1974) : मैथडॉलोजी ऑफ एजूकेषनल रिसर्च, न्ययार्क, अपलटन सेन्च्यूरी क्रोफथ
- मूले, जार्ज जे.के. (1964) : साइन्स ऑफ एजूकेषनल रिसर्च, न्यू दिल्ली, यूरेषिया पब्लिषिंग हाउस
- रमल, जे. एफ. एम (1968) : इन्ट्रोडक्षन टू रिसर्च प्रोजीषन इन एजूकेषन, न्यूयार्क, हापर्र ब्रादर्स

- टैवर्स टावर्ट एम. डब्ल्यू (1963) : षिक्षा अनुसंधान की प्रस्तावना, इलाहाबाद, हिन्दी संस्करण किताब महल प्रा. लि.
- वेस्ट जॉन डब्ल्यू (1973) : रिसर्च एजुकेषन, नई दिल्ली, प्रिन्टिस हॉल प्रा. लि.
- ओड, एल. के (2003) : अधिगम का मनोसामाजिक आधार एंव षिक्षण, ग्वालियर, शर्मा पुस्तक सदन
- डॉ. वर्मा, प्रीति व डी. एन. श्रीवास्तव (2005) : आधुनिक सामान्य मनोविज्ञान, आगरा; विनोद पुस्तक मंदिर